MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
फ़रवरी 2025

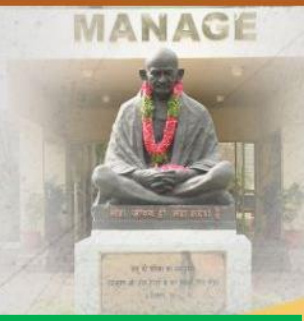

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

मैनेज ने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को बढ़ावा देने पर दो सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

मैनेज ने दिनांक 05 से 18 फरवरी, 2025 के दौरान "किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के संवर्धन में मुद्दे और चुनौतियां" पर दो सप्ताह का भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा समर्थित किया गया था। इस कार्यक्रम में 15 देशों - बांग्लादेश, भूटान, कोटे डी आइवर, इक्वाडोर, इथियोपिया, घाना, लाओस, लेसोथो, मलावी, माली, नाइजीरिया, दक्षिण सूडान, तुर्कमेनिस्तान, वियतनाम और जिम्बाब्वे - से कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. हनुमान सागर सिंह, आईपीओएस, महानिदेशक, मैनेज ने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के विभिन्न कृषि क्षेत्रों के ज्ञान को बढ़ाएगा और उन्हें अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी एक्सटेंशन (एमएसयू) वेबिनार

मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी एक्सटेंशन (एमएसयू), यूएसए ने संयुक्त रूप से दिनांक 21 फरवरी, 2025 को सुबह 7:30 बजे से 9:00 बजे ईएसटी (शाम 6:00 बजे से शाम 7:30 बजे आईएसटी) तक डिजिटल कृषि: सतत कृषि विकास के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग विषय पर वैश्विक वेबिनार का आयोजन किया।

डॉ. माइकल रिंकी ने अमेरिका में ड्रोन उद्योग की वर्तमान स्थिति, इसके लाभ और अपनाने की चुनौतियों पर चर्चा की, जबकि डॉ. के. कृष्णा रेड्डी, निदेशक, आईसीटी, मैनेज ने भारत में डिजिटल कृषि नवाचारों पर ध्यान केंद्रित किया, तथा उभरती प्रौद्योगिकियों और कृषि विस्तार सेवाओं के लिए भारत सरकार की पहल विस्तार पर प्रकाश डाला।

वेबिनार में कृषि पद्धतियों को अनुकूलित करने और सततता सुनिश्चित करने में एआई, आईओटी, ब्लॉकचेन और रिमोट सेंसिंग की भूमिका को रेखांकित किया गया। डिजिटल कृषि पर एक आकर्षक प्रश्नोत्तर के साथ सत्र का समापन हुआ। इस वेबिनार में मैनेज के संकाय सदस्य, अकादमिक एसोसिएट,

कंसल्टेंट, कृषि पेशेवर, शोधकर्ता और शिक्षाविद शामिल हुए। डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तलूरी, उप निदेशक (केएम), मैनेज; प्रोफेसर करीमभाई एम. मारेडिया, एडी, एमएसयू, यूएसए और डॉ. ऐनी बेकर, (लर्निंग एंड टैलेंट डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट) एमएसयू, यूएसए ने वेबिनार का समन्वय किया।

इस अंक में .....

• एफपीओ को बढ़ावा देने पर भारतीय तकनीकी आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम	01&03
• मैनेज और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी एक्सटेंशन वेबिनार	02
• कृषि में एआई, जीआईएस और ड्रोन पर 26 देशों के 29 प्रतिभागियों के साथ भारतीय तकनीकी आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण	04
• उद्यमिता विकास के लिए बागवानी प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण पर प्रशिक्षण सह प्रदर्शन दौरा कार्यक्रम	05
• आरएजेयूवीएएस, बीकानेर में नई दक्षताओं, कैरियर के अवसरों और अनुसंधान पर राष्ट्रीय युवा पेशेवर विकास कार्यक्रम (एनवाईपीडीपी)	06
• महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के मिशन शक्ति के अंतर्गत जेंडर बजटिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	07
• महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मिशन शक्ति के अंतर्गत जेंडर बजटिंग विधियों और उपकरणों पर राष्ट्रीय कार्यशाला	07
• केजीकेएलएस 34: एक एक्सटेंशन प्रोफेशनल के रूप में मेरी यात्रा डॉ. श्रीनाथ दीक्षित, आईसीआरआईएसएटी	08
• केजीकेएलएस 35: पूर्व कुलपति द्वारा जलवायु परिवर्तन और भारतीय कृषि, वीएनएमकेवी, परभणी और पूर्व निदेशक, आईसीएआर-सीआरआईडीए	09
• केजीकेएलएस 36: प्रोफेसर एस. रामकुमार के द्वारा क्वांटम एक्सपीरियंस इन एक्सटेंशन, नेशनल फेलो (आईवीईएफ) और पूर्व डीन आरआईवी ईआर, पुडुचेरी	10
• एनएमएनएफ: किसानों और केवीकेएस के लिए टीएनएयू का 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
• एनएमएनएफ: राज्य और जिला अधिकारियों के लिए संभव-ओडिशा 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	11
• एनएमएनएफ: किसानों और केवीकेएस के लिए वाईएसपी यूएचएफ 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	12
• एनएमएनएफ: किसानों और केवीकेएस के लिए वाईएसपी यूएचएफ 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	12
• मैनेज शनिवार वेबिनार	13
• एडमिशन ओपन	14

भारतीय तकनीकी आर्थिक सहयोग (आईटीईसी)

एफपीओ को बढ़ावा देने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकासशील देशों में कृषि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि इस पर बहुत अधिक कार्यबल निर्भर है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को अधिक लाभदायक और संगठित बनाने के लिए किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) एक समाधान है। उन्होंने प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लेने और विचारों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया, और उन्हें एक उत्पादक और व्यावहारिक कार्यक्रम की शुभकामनाएं दीं।

डॉ. के. सि. गुम्मगोलमठ, निदेशक (एम एंड ई), मैनेज ने इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को अपने देश लौटने पर यहां प्राप्त ज्ञान को लागू करना है। उन्होंने भारत में सहकारी आंदोलन और एफपीओ की उत्पत्ति पर संक्षेप में प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, उन्होंने वस्तुओं के लिए अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल ई-नाम पर प्रकाश डाला और बताया कि यह देश भर के किसानों के लिए बाजार तक पहुंच कैसे बढ़ाता है।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज और सीईओ मैनेज-सीआईए, इस समापन कार्यक्रम में उपस्थित थे। अपने समापन भाषण में, उन्होंने देश भर में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सामने आने वाली कुछ बुनियादी चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिनमें अपर्याप्त वित्तीय संसाधन, मजबूत संस्थागत समर्थन और प्रभावी नेतृत्व की आवश्यकता शामिल है। डॉ. श्रीकांत, निदेशक (एबीएम), मैनेज ने प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्राप्त ज्ञान को लागू करने का सुझाव दिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन, कानूनी अनुपालन, शासन, वित्तीय प्रबंधन, बाजार संबंध, निर्यात क्षमता और नीतिगत ढांचे जैसे प्रमुख विषयों के माध्यम से प्रतिभागियों की समझ को बढ़ाना था। इसने भारतीय कृषि में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की और प्रतिभागियों को प्रभावी एफपीओ प्रबंधन के लिए रणनीतिक ज्ञान से लैस किया। कवर किए गए प्रमुख विषयों में शासन संरचनाएं, व्यवसाय नियोजन, मूल्य श्रृंखला प्रबंधन, विपणन रणनीतियां, जैविक प्रमाणन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और वैश्विक बाजार रुझान शामिल थे।

इस कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं, अनुबंध खेती, वित्तीय स्थिरता पर भी चर्चा की गई तथा सफल एफपीओ पर केस स्टडी भी प्रस्तुत की गई। इन प्रतिभागियों ने आईसीआरआईएसएटी पाटनचेरु, आरटीपी-एनआईआरडी राजेंद्रनगर, कटंगुर एफपीओ, आईसीएआर-आईआईएमआर एफपीओ गतिविधियों तथा सहज आश्रम एफपीओ का दौरा किया। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों ने अपने-अपने देशों में अपने सीखे गए ज्ञान को लागू करने के लिए एक बैक-एट-वर्क योजना विकसित की।

डॉ. के. सि. गुम्मगोलमठ, निदेशक (एम एंड ई), मैनेज ने डॉ. बी. वेंकट राव, सहायक निदेशक (एम एंड ई), मैनेज के साथ डॉ. पी. कनक दुर्गा, सहायक निदेशक (एम एंड ई), मैनेज; और डॉ. विग्नेश कुमार एस, मैनेज फेलो के साथ इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

भारतीय तकनीकी आर्थिक सहयोग (आईटीईसी)

26 देशों के 29 प्रतिभागियों के साथ कृषि में एआई, जीआईएस और ड्रोन पर प्रशिक्षण

मैनेज ने कृषि विस्तार में रिमोट सेंसिंग, जीआईएस, ड्रोन और एआई के एकीकरण पर दो सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जो दिनांक 26 फरवरी से दिनांक 11 मार्च, 2025 तक चला। मैक्सिको, कोटे डी आइवर, श्रीलंका, भूटान, नाइजीरिया, रवांडा, बेनिन, तंजानिया, मॉरीशस, दक्षिण सूडान, ईरान, नाइजर, फिजी, जाम्बिया, इथियोपिया, बांग्लादेश, मलेशिया, मंगोलिया, आर्मेनिया, लेसोथो, घाना, मलावी, थाईलैंड, तुर्की, इरिट्रिया और सीरिया सहित 26 देशों के कुल 29 प्रतिनिधि प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. हनुमान सागर सिंह, आईपीओएस, महानिदेशक, मैनेज ने भारतीय किसानों को खेती की चुनौतियों से उबरने में मदद करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीक की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली (एनपीएसएस) जैसी पहलों पर प्रकाश डाला, जो वास्तविक समय कीट प्रबंधन के लिए एआई/एमएल तकनीकों का लाभ उठाती है, और ड्रोन तकनीक, जो श्रम लागत को कम करने में सहायता करती है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल होने, अपने प्रश्नों को साझा करने और अपने अनुभवों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. के. सि. गुम्मगोलमठ, निदेशक (एम एंड ई), मैनेज ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे एआई उपकरण संसाधन की खपत को कम कर रहे हैं, लेन-देन की लागत कम कर रहे हैं और किसानों के मुनाफे को बढ़ा रहे हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को कृषि में उन्नत तकनीकों की व्यापक समझ प्रदान करना है ताकि नवाचार और खेती के तरीकों के बीच की खाई को पाटा जा सके। इस कार्यक्रम में कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए एआई अनुप्रयोग, सटीक खेती, भू-स्थानिक तकनीक और डिजिटल सलाहकार सेवाओं जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है। प्रमुख विषयों में कृषि में जीआईएस/जीपीएस, एआई-संचालित डिजिटल मृदा मानचित्रण, रिमोट सेंसिंग, कृषि में आईओटी, ड्रोन, मौसम पूर्वानुमान और मशीन लर्निंग अनुप्रयोग शामिल हैं।

किसानों और वाटरशेड विकास में सहायता करने में उन्नत आईसीटी प्रौद्योगिकियों की भूमिका का भी पता लगाया जाएगा। इन प्रतिभागी अपने अनुभव को और समृद्ध करने के लिए आईसीआरआईएसएटी, पीजेटीएयू-ड्रोन अकादमी, टी-हब, आईसीएआर-सीआरआईडीए, आईएनसीओआईएस और एनआईपीएचएम का दौरा करेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागी अपने संबंधित देशों में अपने सीखे गए ज्ञान को लागू करने के लिए एक बैक-एट-वर्क योजना तैयार करेंगे।

डॉ. एम. श्रीकांत, निदेशक (एबीएम), डॉ. जी. नवीन कुमार, अकादमिक एसोसिएट, मैनेज के समन्वय के साथ कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे हैं, साथ ही डॉ. तान्या सकलानी, डॉ. गोपीचंद बी, डॉ. गायत्री, डॉ. मनु नायक, राजेंद्र बाबू, कंसलटेंट, मैनेज और डॉ. दिमाश्री, मैनेज फेलो भी इसमें शामिल हैं।

उद्यमिता विकास के लिए बागवानी प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण पर प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम

मैनेज ने दिनांक 03 से 10 फरवरी, 2025 के दौरान उद्यमिता विकास के लिए बागवानी प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण सह एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण में ओडिशा के बागवानी अधिकारियों और 27 किसानों सहित कुल 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार) और सीईओ, मैनेज-सीआईए ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) जैसे समूहों के गठन पर चर्चा की और बेहतर कृषि उपज प्रबंधन के लिए कोल्ड स्टोरेज जैसी सुविधाएं स्थापित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के एकीकरण की संभावना पर विचार किया।

इस कार्यक्रम में बागवानी मूल्य श्रृंखला विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें वाणिज्यिक बागवानी, नवाचार और मूल्य संवर्धन शामिल था। इस प्रशिक्षण में वाणिज्यिक पोमोलॉजी तकनीक, बागवानी नर्सरी नवाचार, भूनिर्माण व्यवसाय मॉडल, हाई-टेक नर्सरी, हाइड्रोपोनिक्स व्यावसायीकरण और बागवानी मूल्य संवर्धन शामिल थे। इन प्रतिभागियों ने बागवानी मूल्य श्रृंखला विकास का पता लगाने के लिए आईसीआरआईएसएटी, पटनचेरु का दौरा किया, साथ ही फल अनुसंधान केंद्र, संगारेड्डी, ग्रोमोर नर्सरी, कोमपल्ली और फलों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, मुलुगु, सिद्दीपेट का भी दौरा किया।

इस कार्यक्रम में हाइड्रोपोनिक्स के व्यावसायीकरण का अध्ययन करने के लिए गुंडलापोचंपल्ली के अर्बन किसान और बागवानी मूल्य संवर्धन में प्रगति का पता लगाने के लिए मोजेरला, महबूबनगर के बागवानी अनुसंधान केंद्र का दौरा भी शामिल था। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों ने बागवानी मूल्य संवर्धन के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए कान्हा हार्टी कल्चर, कान्हा शांति वनम, चेगुर का दौरा किया।

डॉ. सरवनण राज, निदेशक (कृषि विस्तार) एवं सीईओ, मैनेज-सीआईए ने डॉ. राहल्या एस. मैनेज फेलो के समन्वय के साथ इस कार्यक्रम का निदेशन किया।

आरएजेयूवीएएस, बीकानेर में नई दक्षताओं, कैरियर के अवसर और अनुसंधान पर राष्ट्रीय युवा पेशेवर विकास कार्यक्रम (एनवाईपीडीपी)

मैनेज ने राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (आरएजेयूवीएएस), बीकानेर, राजस्थान के साथ मिलकर दिनांक 10 से 14 फरवरी, 2025 को बीकानेर, राजस्थान में कृषि विस्तार में नई दक्षता, कैरियर के अवसर और अनुसंधान प्राथमिकताओं पर राष्ट्रीय युवा पेशेवर विकास कार्यक्रम (एनवाईपीडीपी) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 9 राज्यों और 14 विश्वविद्यालयों से कुल 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अपने उद्घाटन भाषण में, मैनेज के निदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. सरवणन राज ने कृषि विस्तार के महत्व, इसके स्कोप और कैरियर के अवसरों पर जोर दिया और इस क्षेत्र में लघु पाठ्यक्रमों का रिकमेंडेशन किया।

उन्होंने उभरते क्षेत्रों, विशेष रूप से लिंग अध्ययन और जलवायु परिवर्तन में अनुसंधान प्राथमिकताओं पर भी चर्चा की, जिससे छात्रों और पेशेवरों को बहुमूल्य जानकारी मिली।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पेशेवरों को कृषि विस्तार, अनुसंधान और नीतिगत जुड़ाव में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक अंतर्दृष्टि, व्यावहारिक शिक्षा और नेटवर्किंग के अवसरों से लैस करना था।

प्रमुख विषयों में शामिल थे - कृषि विस्तार का वर्तमान परिदृश्य, जिसमें प्रवृत्तियों, चुनौतियों और कैरियर मार्गों पर ध्यान केंद्रित किया गया; नवोन्मेष और आजीविका विकास, जिसमें नेटवर्क विश्लेषण, लिंग समावेशन और व्यवहार विज्ञान अनुसंधान शामिल थे; वैश्विक कैरियर और अनुसंधान के अवसर, जिसमें स्नातक अध्ययन, नीतिगत सहभागिता और अनुसंधान प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला गया; विस्तार में निगरानी और मूल्यांकन (एम एंड ई), जिसमें ग्रंथसूची विश्लेषण, फील्डवर्क एक्सपोजर और एम एंड ई तकनीकें शामिल थीं; और उद्यमिता और जलवायु लचीलेपन के लिए कृषि विस्तार, जिसमें जैविक खेती, उद्यमिता और जलवायु-लचीली कृषि पर जोर दिया गया।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज ने डॉ. महेश चंदर और डॉ. एस. राहाल्या, मैनेज फेलो, डॉ. सुनील जांगिड़, डॉ. मैना कुमारी और अन्य प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों के सहयोग से इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मिशन शक्ति के अंतर्गत जेंडर बजटिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 19 से 21 फरवरी, 2025 को भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के मिशन शक्ति के तहत मैनेज ने जेंडर बजटिंग पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारत के सात राज्यों के संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जेंडर विशेषज्ञ, अनुसंधान अधिकारी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, जिला मिशन समन्वयक, लेखाकार और महिला कार्यक्रम अधिकारी सहित कुल 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समापन समारोह में डॉ. सागर हनुमान सिंह, महानिदेशक, मैनेज ने भाग लिया। अपने संबोधन में उन्होंने पारंपरिक समझ से परे लैंगिक बजट के व्यापक परिदृश्य पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक बजट को एकीकृत करने, अन्य कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने और सार्थक बदलाव लाने के लिए इसे अपने विभागों में लागू करने का सुझाव दिया।

यह प्रशिक्षण भारत में लैंगिक बजट पर केंद्रित था, जिससे इसके सिद्धांतों, महत्व और कार्यान्वयन की व्यापक समझ प्राप्त हुई। इसमें लैंगिक बजट का अवलोकन, निगरानी ढांचा और क्षमता निर्माण में प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, इसमें परियोजना नियोजन, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में लैंगिक चिंताओं के एकीकरण को संबोधित किया गया। प्रतिभागियों को बजट और बजट चक्र, लैंगिक लेखा परीक्षा और केंद्र सरकार के लैंगिक बजट विवरण की तैयारी सहित आवश्यक अवधारणाओं से परिचित कराया गया।

डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (जीएस) ने इस कार्यक्रम के लिए निदेशक के रूप में कार्य किया तथा डॉ. के. नरेश, अकादमिक एसोसिएट, मैनेज ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मिशन शक्ति के अंतर्गत व्यावहारिक लिंग बजट विधियों और उपकरणों पर राष्ट्रीय कार्यशाला

मैनेज ने दिनांक 24 से 26 फरवरी, 2025 को भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के मिशन शक्ति के तहत जेंडर बजटिंग के तरीकों और उपकरणों पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में भारत के आठ राज्यों के संयुक्त निदेशकों, उप निदेशकों, जेंडर विशेषज्ञों, अनुसंधान अधिकारियों, वरिष्ठ तकनीकी सहायकों, जिला मिशन समन्वयकों, लेखाकारों और महिला कार्यक्रम अधिकारियों सहित कुल 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. संजय कुमार, अतिरिक्त आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2047 के लिए महिला सशक्तिकरण को महत्वपूर्ण बताया तथा एमकेएसपी, नमो ड्रोन दीदी, आरकेवीवाई और एनएफएसएम जैसी पहलों पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर प्रो. सत्येन लामा, आईईएस, संयुक्त निदेशक और प्रोफेसर ने समावेशी और समान विकास के लिए सभी क्षेत्रों में लैंगिक बजट की आवश्यकता पर बल दिया।

इस कार्यशाला में लैंगिक मुद्दों की पहचान करने और मध्यम स्तर के अधिकारियों के बीच लैंगिक मुख्यधारा में प्रभावी रूप से शामिल करने के लिए जेंडर बजटिंग चेकलिस्ट का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें बजट मूल्यांकन, जेंडर-विभाजित सार्वजनिक व्यय और जेंडर-उत्तरदायी लाभार्थी आवश्यकताओं के आकलन सहित जेंडर बजटिंग के प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया। इन प्रतिभागियों ने विश्लेषणात्मक रूपरेखाओं की खोज की, बजट आवंटन, व्यय और राजस्व नियोजन में जेंडर दृष्टिकोणों को एकीकृत किया और प्रदर्शन-आधारित और कार्यक्रम-आधारित बजटिंग में जेंडर संबंधी विचारों को लागू किया। इस सत्र में कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक अनुप्रयोग, केस स्टडी और प्रैक्टिकल अभ्यास शामिल थे।

इस कार्यशाला का समापन सीखने के परिणामों के मूल्यांकन के लिए एक पश्चात-मूल्यांकन के साथ हुआ। डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (जीएस) ने कार्यक्रम का निर्देशन किया तथा डॉ. के. नरेश, अकादमिक एसोसिएट, मैनेज द्वारा समन्वय किया गया।

केजीकेएलएस 34: डॉ. श्रीनाथ दीक्षित, आईसीआरआईएसएटी द्वारा एक एक्सटेंशन प्रोफेशनल के रूप में मेरी यात्रा

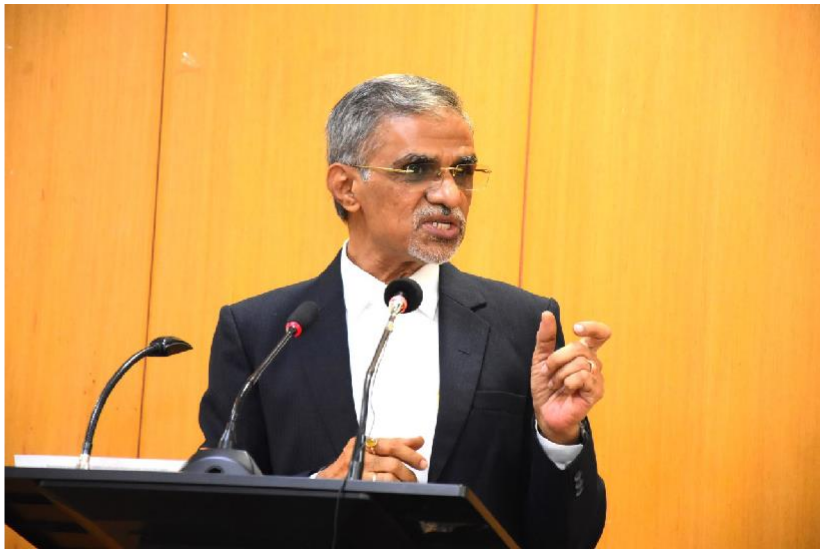

डॉ. श्रीनाथ दीक्षित, प्रधान वैज्ञानिक और रणनीतिक सलाहकार, आईसीआरआईएसएटी ने दिनांक 11 फरवरी, 2025 को मैनेज में "एक विस्तार पेशेवर के रूप में मेरी यात्रा" विषय पर 34वीं मैनेज कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला (केजीकेएलएस) दी।

अपने व्याख्यान में उन्होंने एक निजी कृषि व्यवसाय कंपनी में फील्ड डेमोस्ट्रेटर, एक एनजीओ में विकास कार्यकर्ता, कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) के माध्यम से प्रगति करते हुए आईसीएआर-सीआरआईडीए में प्रधान वैज्ञानिक बनने, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (एटीएआरआई), बैंगलोर में निदेशक और अंततः आईसीआरआईएसएटी में रणनीतिक सलाहकार के रूप में अपनी यात्रा साझा की। कृषि विस्तार में अपने चालीस वर्षों के अनुभव से आकर्षित होकर, उन्होंने कई उपाख्यानों और वास्तविक जीवन की स्थितियों के माध्यम से प्रमुख सीखों, चुनौतियों और समाधानों को चित्रित किया।

उन्होंने विस्तार पेशेवरों के लिए आवश्यक मूल मूल्यों पर जोर दिया, जिसमें ईमानदारी, निष्ठा, समस्या की समग्र समझ और काम के प्रति उत्साह शामिल है। उन्होंने कृषि विस्तार में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की और किसानों, उनकी जरूरतों, संचार के तरीकों को समझने और उनकी समस्याओं के प्रति सहानुभूति दिखाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चुनौतियाँ अपरिहार्य हैं, लेकिन एक अच्छी तरह से तैयार विस्तार पेशेवर अनुकूलनशीलता और रणनीतिक योजना के माध्यम से उन पर काबू पाया जा सकता है।

डॉ. बालासुब्रमणि, निदेशक (सीए और सीसीए), मैनेज ने एक विस्तार पेशेवर के रूप में डॉ. श्रीनाथ दीक्षित के योगदान की सराहना की और उनके व्याख्यान के मुख्य अंशों का सारांश दिया। व्याख्यान में मैनेज संकाय सदस्यों, सलाहकारों और मैनेज फेलो ने भाग लिया। डॉ. ए. श्रीनिवासाचार्युलु, उप निदेशक (केएम) ने मैनेज फेलो डॉ. नीधी शर्मा की सहायता से कार्यक्रम का समन्वय किया।

केजीकेएलएस 35: पूर्व कुलपति, वीएनएमकेवी, परभणी और पूर्व निदेशक, आईसीएआर-सीआरआईडीए द्वारा जलवायु परिवर्तन और भारतीय कृषि,

डॉ. बी. वेंकटेश्वरलू, पूर्व कुलपति, वीएनएमकेवी, परभणी और पूर्व निदेशक, आईसीएआर-सीआरआईडीए ने दिनांक 25 फरवरी, 2025 को मैनेज में "जलवायु परिवर्तन और भारतीय कृषि: अनुकूलन और शमन रणनीतियां" विषय पर 35वीं मैनेज कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला (केजीकेएलएस) दी।

अपने व्याख्यान में उन्होंने जलवायु परिवर्तन, इसके कारणों और कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों पर इसके प्रभाव का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से वर्षा आधारित खेती, पशुधन, मत्स्य पालन और मुर्गी पालन के लिए अनुकूलन और शमन रणनीतियों पर जोर दिया।

इसके अलावा उन्होंने चर्चा की कि कैसे आईसीएआर और अन्य संगठन एनआईसीआरए परियोजना, भेद्यता मानचित्रण, कृषि सलाहकार सेवाओं, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पहलों और जिला स्तरीय आकस्मिक योजनाओं के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को संबोधित कर रहे हैं, जिसमें स्वर्ण सब 1 जैसी जलभराव प्रतिरोधी किस्मों, सामुदायिक नर्सरी और फसल बीमा जैसे जोखिम प्रबंधन उपायों का उदाहरण दिया गया है।

जलवायु परिवर्तन को एक दीर्घकालिक चुनौती के रूप में पहचानते हुए, उन्होंने सरकार से सिंचाई, वर्षा जल संचयन और जलभराव प्रबंधन जैसे जलवायु लचीले बुनियादी ढांचे में दीर्घकालिक निवेश की समर्थन किया, साथ ही पानी के तर्कसंगत उपयोग और बाढ़ और ओलावृष्टि जैसी चरम घटनाओं के प्रबंधन की भी समर्थन किया।

दस्तावेज़ीकरण के महत्व पर ज़ोर देते हुए उन्होंने जलवायु-लचीली कृषि को बढ़ावा देने के लिए "जलवायु प्रबंधन संहिता" का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सलाह दी कि जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध दीर्घकालिक कृषि लचीलापन बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी, नीति उपायों, मौजूदा योजनाओं और सतत कृषि प्रथाओं को एकीकृत करने की आवश्यकता है। मैनेज संकाय सदस्य, सलाहकार और मैनेज फ़ेलो ने इस व्याख्यान में भाग लिया।

डॉ. ए. श्रीनिवासाचार्युलु, उप निदेशक (केएम) ने डॉ. नीधि शर्मा, मैनेज फेलो की सहायता से सत्र का समन्वयन किया।

केजीकेएलएस 36: प्रोफेसर एस. रामकुमार, पूर्व डीन रिवर, पुडुचेरी द्वारा क्वांटम एक्सपीरियंस इन एक्सटेंशन,

प्रो. एस. रामकुमार, नेशनल फेलो (आईवीईएफ) और पूर्व डीन (सेवानिवृत्त), राजीव गांधी पशु चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आरआईवीईआर), पुडुचेरी ने दिनांक 27 फरवरी, 2025 को "विस्तार में क्वांटम अनुभव" विषय पर 36वीं मैनेज कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला (केजीकेएलएस) में वर्चुअल माध्यम से व्याख्यान दिया।

अपने व्याख्यान में उन्होंने डिजिटल युग में आधुनिक कृषि विस्तार की विकसित होती प्रकृति पर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने विभिन्न संस्थानों के माध्यम से अपनी पेशेवर यात्रा पर विचार किया जिसने उनकी विशेषज्ञता को आकार दिया और मानव-उन्मुख से प्रौद्योगिकी-निर्भर विस्तार प्रथाओं में परिवर्तनकारी बदलाव पर चर्चा की।

उन्होंने मानव जुड़ाव पर डिजिटल युग के प्रभाव पर प्रकाश डाला, इस बात पर जोर दिया कि कैसे तेज गति वाली तकनीकें सूचना समृद्धि की ओर ले जा रही हैं, लेकिन अविश्वास और पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं के टूटने जैसी चुनौतियाँ भी ला रही हैं। उन्होंने टेक्नोसैपियंस की अवधारणा पर प्रकाश डाला, जिसमें बताया गया कि कैसे मनुष्य तेजी से तकनीकी दुनिया में एकीकृत हो रहे हैं।

इसके बाद, उन्होंने सहस्राब्दि विस्तार पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें आजीविका विस्तार से कृषि व्यवसाय, मानव-नेतृत्व से ई-विस्तार और उत्पादन आधारित से बाजार आधारित विस्तार में परिवर्तन को दर्शाया गया। उन्होंने आधुनिक कृषि को खाद्य पर्याप्तता से खाद्य सुरक्षा, जलवायु-जागरूकता से जलवायु-लचीली कृषि और प्राकृतिक से जैविक खेती में बदलने पर भी जोर दिया। उन्होंने पेशेवरों से कृषि विस्तार के उभरते क्षेत्र में प्रासंगिक बने रहने के लिए सीखने, भूलने और फिर से सीखने की मानसिकता अपनाने का आग्रह किया।

डॉ. ए. श्रीनिवासाचार्युलु, उप निदेशक (केएम) ने डॉ. नीधि शर्मा, मैनेज फेलो के साथ इस सत्र का समन्वयन किया।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एनएमएनएफ: टीएनएयू द्वारा किसानों और केवीकेएस के लिए 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) की शुरुआत की है। प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के लिए मैनेज को ज्ञान भागीदार के रूप में नामित किया गया है।

तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) के अंतर्गत प्राकृतिक खेती केंद्र (सीओएनएफ) के रूप में मान्यता दी गई है।

इस पहल के तहत, टीएनएयू ने मैनेज के साथ मिलकर दिनांक 25 से 28 फरवरी, 2025 के दौरान 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अपने पहले बैच का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें केवीके के 15 वैज्ञानिक और प्राकृतिक खेती पर 9 किसान मास्टर प्रशिक्षक (एफएमटी) शामिल थे। इस प्रशिक्षण में प्राकृतिक खेती के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों दृष्टिकोणों पर सोलह सत्र शामिल थे।

कुन्नूर के स्प्रिंग बेरी नेचुरल फार्म का एक भ्रमण आयोजित किया गया, जहां प्रतिभागियों को श्री देवकुमारन (संसाधन किसान) से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन

एनएमएनएफ: राज्य और जिला अधिकारियों के लिए संभव-ओडिशा 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) की शुरुआत की है। प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के लिए मैनेज को ज्ञान भागीदार के रूप में नामित किया गया है।

संभव – ओडिशा (गैर-लाभकारी संगठन) को कृषि विश्वविद्यालय और केवीके के वैज्ञानिकों, किसान मास्टर ट्रेनर (एफएमटी) और स्थानीय प्राकृतिक खेती संस्थानों के नोडल व्यक्तियों और विभाग के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 14 प्राकृतिक खेती केंद्रों (सीओएनएफ) में से एक के रूप में चुना गया है।

तदनुसार, संभव - ओडिशा ने दिनांक 13 से 15 फरवरी, 2025 को प्राकृतिक खेती पर ओडिशा के राज्य और जिला अधिकारियों के लिए तीन -दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है और इसे राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, मैनेज, ओडिशा सरकार और संभव-रोहीबांक गांव, ओडिशा के सहयोग से समर्थित किया गया है।

इस कार्यक्रम में कृषि, बागवानी, पशु चिकित्सा और ओडिशा आजीविका मिशन (ओएलएम) विभागों के कुल 27 सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में तकनीकी सत्र, व्यावहारिक अनुभव और क्षेत्र भ्रमण शामिल थे। इस कार्यक्रम के दौरान ओडिशा में प्राकृतिक खेती के माध्यम से टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए भविष्य की गतिविधियों की भी योजना बनाई गई।

सुश्री साबरमती, सचिव-सह-सम्भव ने प्रशिक्षण उद्देश्य के लिए प्राकृतिक कृषि के रूप में सम्भव को चुनने के लिए राज्य और केन्द्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन

एनएमएनएफ: किसानों और केवीकेएस के लिए वाईएसपी यूएचएफ 4-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) की शुरुआत की है। प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के लिए मैनेज को ज्ञान भागीदार के रूप में नामित किया गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने डॉ. वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) के तहत प्राकृतिक खेती के केंद्रों में से एक के रूप में नामित किया है।

डॉ. वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय ने दिनांक 17 से 20 फरवरी, 2025 तक केवीके के वैज्ञानिकों, स्थानीय कृषि संस्थानों (एलएनएफआई) और किसान मास्टर प्रशिक्षकों (एफएमटी) के लिए प्राकृतिक खेती पर मैनेज द्वारा समर्थित 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। डॉ. एस.के.चौहान, अनुसंधान निदेशक विश्वविद्यालय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 13 किसान मास्टर प्रशिक्षक और स्थानीय एनएफ संस्थान तथा केवीके के 8 वैज्ञानिक शामिल थे। प्रशिक्षण में जैव-इनपुट की तैयारी और पौध संरक्षण उपायों पर तकनीकी, सत्र, व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल था। प्रशिक्षण के भाग के रूप में प्रदर्शन खेतों का दौरा भी आयोजित किया गया।

डॉ. सी.एल. ठाकुर, डीन, वानिकी महाविद्यालय समापन सत्र में मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने अपने समापन भाषण में इस बात पर जोर दिया कि प्राकृतिक कृषि के सभी सिद्धांतों के उपयोग से न केवल अच्छी गुणवत्ता वाली उपज प्राप्त होगी, बल्कि पर्यावरण की रक्षा भी होगी और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन भी आएगा।

एनएमएनएफ: किसानों और अधिकारियों के लिए वाईएसपी यूएचएफ 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) शुरू किया है। मैनेज को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए ज्ञान भागीदार के रूप में नामित किया गया है।

इस मिशन के तहत, मैनेज के सहयोग से, विस्तार शिक्षा निदेशालय, डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश ने दिनांक 24 से 27 फरवरी, 2025 को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

पंजाब के किसानों के लिए प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण में परियोजना निदेशक, कृषि विकास अधिकारी, बागवानी विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक (फार्म आजीविका) शामिल हुए। विस्तार निदेशक डॉ. इंद्र देव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए सतत खेती के तरीकों के महत्व पर जोर दिया।

डॉ. राजेश्वर सिंह चंदेल, कुलपति, (वाईएसपी यूएचएफ) ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मैनेज शनिवार वेबिनार

The webinars, organized by Dr. Saravanan Raj, Director (Agricultural Extension), MANAGE with the assistance of Dr. Rahalya S, MANAGE Fellow

Validation & Refinement

MANAGE conducted a webinar on 'Validation & Refinement' on February 01, 2025, featuring Dr. Veena Hanamsagar, Director Incubation, Jagriti Enterprise Centre, and Ms. Sujaya Rao, Co-founder, TEENR, as key speakers. The webinar highlighted the crucial role of women mentors in the agri-startup ecosystem, focusing on their contributions to validation and refinement processes. Speakers discussed their expertise in precision farming, soil health, and sustainable agricultural practices, emphasizing how mentorship enhances business model validation, market readiness, and innovation in agriculture. **To watch the webinar, click on this link or scan the QR code:** https://surl.li/hjoikw

Branding

MANAGE conducted a webinar on 'Branding' on February 08, 2025, featuring Ms. Rohini Lodge, Founder, Studio Red, and Ms. Aarushi, Startup Mentor, as key speakers. The webinar highlighted the vital role of women mentors in shaping the branding strategies of agri-startups. Speakers discussed how effective branding helps startups establish credibility, connect with consumers, and create a lasting impact in the agricultural sector. The session emphasized how mentorship in branding contributes to long-term success, rural development, and environmental sustainability. **To watch the webinar, click on this link or scan the QR code:** https://surl.gd/yspnph

IPR Facilitation

MANAGE conducted a webinar on 'IPR Facilitation' on February 15, 2025, featuring Ms. Jyoti Chauhan, Vice President - IPR Prosecution, Ennoble IP, and Ms. Shuchita Shah, Senior Manager, Ennoble IP (EIP), as key speakers.The webinar highlighted the significance of Intellectual Property Rights (IPR) in the agri-startup ecosystem, emphasizing the role of women mentors in guiding entrepreneurs through patents, trademarks, and GI tags. Speakers discussed government schemes supporting women entrepreneurs and shared success stories, illustrating how IPR protection enhances innovation, competitiveness, and scalability in agriculture.**To watch the webinar, click on this link or scan the QR code:** https://surl.li/eyruru

Legal Compliances and Regulatory Services

MANAGE conducted a webinar on 'Legal Compliances and Regulatory Services' on February 22, 2025, featuring Ms. Namrata Tatiya, Partner, Mehta & Mehta, and Ms. Ananya Sanyal, Senior Legal Advisor & Fractional General Counsel, as key speakers. The webinar highlighted the critical role of legal compliance in the success of agri-startups, focusing on business registrations, regulatory approvals, and risk management. Speakers stressed essential regulatory services, government support schemes, and the importance of contracts, intellectual property, and business structures. **To watch the webinar, click on this link or scan the QR code:** https://surl.li/ gyfgbg

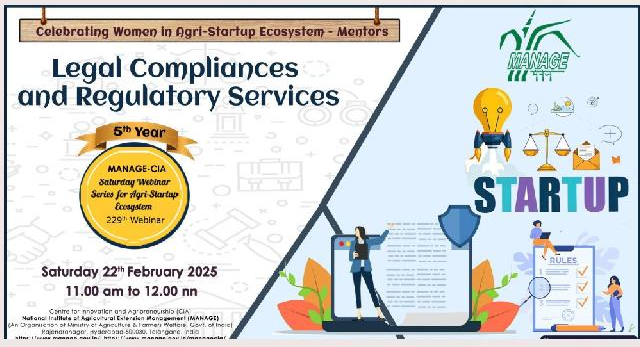

एडमिशन ओपन

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस,
महानिदेशक, मैनेज

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: **www.manage.gov.in**

मुख्य संपादक
डॉ. सरवणन राज
निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज

संपादक
डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तलूरी
उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

हिन्दी अनुवाद
डॉ. के. श्रीवल्ली, सहा.निदेशक (रा.भा.), मैनेज
सुश्री पुजा दास, वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज

एसोसिएट एडिटर्स
श्री कृष्णा रामाराव,
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज